प्रकाशन तिथि : 15 सितम्बर, 2022
प्रेषण तिथि : 19 सितम्बर, 2022

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 26 | अंक 13 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

'उपलब्ध पूंजी का सदुपयोग करें, क्रिया पर केन्द्रित रहें, प्रतिक्रिया पर नहीं'

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केन्द्रीय परिषद की बैठक संपन्न

आप सोचतें हैं कि काम बहुत सारे हैं और जीवन बहुत थोड़ा है इसलिए बहुत सारे काम एक साथ करना चाहते हैं। इसीलिए बहुत सारे काम प्रारंभ तो करते हैं परंतु पूर्ण नहीं कर पाते और भटक जाते हैं। ऐसे में इस वास्तविकता को समझ लेना चाहिए कि सब काम एक साथ संभव नहीं है। भगवान राम भी सब काम नहीं कर पाये। भगवान कृष्ण भी नहीं कर पाये, वे भगवान होकर, सर्व शक्तिमान होकर भी नहीं कर पाये तो हमारी तो क्षमताएं सीमित है। इसलिए जितनी क्षमता है उतना करें। एक एक मुद्दे को लेवें और उस पर काम करें। क्रिया पर आयें और प्रतिक्रिया पर न जायें। हम पूरे समाज को नियंत्रित नहीं कर सकते, हम अपने सदस्यों को भी पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकते इसलिए प्रतिक्रियात्मक बातें न करें बल्कि अपनी क्षमताओं को क्रिया पर केन्द्रित करें।

जयपुर स्थित संघ के केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में 11 सितंबर को आयोजित श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केन्द्रीय परिषद की अर्द्धवार्षिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने उपरोक्त बातें कही। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कहा कि जो ऊर्जा लग रही है उसका निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम आयेगा। परिणाम की चिंता न करें बल्कि अपने आपको निरंतर सक्रिय रखें।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

शाखा नियमितता और निरंतरता की पोषक: संघ प्रमुख श्री

जयपुर में कालवाड़ रोड पर बजरंग द्वार शाखा का प्रथम स्थापना दिवस गणेश चतुर्थी (31 अगस्त) को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में मनाया गया। संघप्रमुख श्री ने उपस्थित स्वयंसेवकों को शाखा का महत्त्व बताते हुए कहा कि निरंतरता और नियमितता के द्वारा कोई भी सिद्धि प्राप्त की जा सकती है। शाखा अपनी विभिन्न गतिविधियों यथा - खेल, चर्चा सहगीत आदि के माध्यम से हमारे व्यक्तित्व में निखार लाती है। शाखा हममें निरंतरता और नियमितता के गुणों को लाती है और ये गुण हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें आगे बढ़ने में सहयोग करते हैं। शाखा संघ का मूल कार्य है जिसमें संघदर्शन को अपने आचरण का अंग बनाने का व्यावहारिक अभ्यास सामूहिक रूप से किया जाता है। उन्होंने कहा कि ध्येयनिष्ठा का गुण जिसमें है, उसकी सफलता निश्चित है। इसलिए अपने जीवन का लक्ष्य निश्चित करके उसकी ओर बढ़ते रहें, एक दिन सफलता अवश्य मिलेगी।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

संस्कारों का सिंचन और अभ्यास निरंतर जारी

(5 दिन की अवधि में 17 प्रशिक्षण शिविर संपन्न, 2600 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

सत्र 2022-23 में श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविरों की श्रृंखला अनवरत चल रही है। इसी क्रम में 2 से 6 सितंबर की अवधि में विभिन्न स्थानों पर दो बालिका शिविर सहित कुल 17 चार दिवसीय शिविर आयोजित हुए जिनमें 2600 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त किया। पूर्वी राजस्थान संभाग के दौसा प्रांत में दांतली गांव स्थित बड़वाले बाबा के आश्रम में 3 से 6 सितंबर तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर का संचालन राम सिंह अकदड़ा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि संगठित होकर एक जिम्मेदार क्षत्रिय के रूप में हम अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करें और प्राणी मात्र के कल्याण में अपना कल्याण मानकर निष्काम भाव से कार्य करते रहें, यही श्री क्षत्रिय युवक संघ की चाह है। शिविर में दांतली, उदयपुरा, बहडखौ, घेरौली आदि गांवों के 70 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महादेव सिंह दांतली व बलबीर सिंह दांतली ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। शिविर समापन के दिन दांतली गांव में शाखा भी प्रारंभ की गई जिसमें 27 ग्रामवासी उपस्थित रहे। 4 सितंबर को माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास का सानिध्य भी शिविरार्थियों को प्राप्त हुआ। संघप्रमुख श्री ने वहां आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मातृशक्ति की समाज निर्माण में विशेष भूमिका है क्योंकि एक श्रेष्ठ माता ही एक श्रेष्ठ भविष्य का निर्माण कर सकती है। एक संस्कारवान बालिका अपने श्रेष्ठ आचरण से दो परिवारों को श्रेष्ठता के मार्ग पर अग्रसर करती है इसलिए किसी समाज और राष्ट्र की उन्नति का आधार मातृशक्ति ही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ बालिकाओं को संस्कारित करने का कार्य भी कर रहा है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

संस्कारों का सिंचन और अभ्यास निरंतर जारी

गुलाबपुरा

(पेज एक से लगातार)

उन्होंने शिविरार्थियों से क्षत्रियोचित गुणों को अंगीकार करके स्वयं के चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने युवाओं से कहा कि हमें रोजगार की तलाश में भटकने की बजाय स्वयं रोजगार पैदा करने का साहस रखना चाहिए तभी हम राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा पाएंगे। केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ एवं जयपुर संभाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर भी सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जालौर संभाग के पाली प्रांत में राणावास के निकट अमर सिंह दाता की छतरी गुड़ा रामसिंह में मारवाड़ जंक्शन मण्डल का चार दिवसीय शिविर भी इसी अवधि में आयोजित हुआ जिसका संचालन केन्द्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने किया। शिविर के प्रथम दिन शिविरार्थियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भगवान श्री कृष्ण तरुण होते ही मात्र 16 वर्ष की आयु में ही लोक कल्याण हेतु लग गये उसी प्रकार श्री क्षत्रिय युवक संघ का यह प्रशिक्षण आपको समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा के लिए तैयार कर रहा है। शिविर में गुड़ा रामसिंह, गुड़ा केशरसिंह, मानी, गुड़ा दुर्जन, वाडिया, बासनी, जोजावर, मगरतलाव, बुरछा, देणोक, सांसरी आदि गांवों के 110 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। व्यवस्था का जिम्मा यशपाल सिंह गुड़ा रामसिंह, प्रवीण सिंह(एम), ओमप्रकाश सिंह, शंकर सिंह, प्रवीण सिंह (जी), अवतार सिंह, शिवदर्शन सिंह और अन्य ग्रामवासियों ने मिलकर संभाला। जालौर संभाग के ही रानीवाड़ा सांचौर प्रांत में सिलासन गांव स्थित सिलेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में भी इसी अवधि में शिविर संपन्न हुआ। खुमान सिंह दूदिया ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि यहां जिन विचारों का बीजारोपण आपके भीतर किया गया है उनके लिए अनुकूल वातावरण बनाकर उनका पोषण करें और प्रतिकूलता से दूर रहें। हम संघ के मार्ग पर निरंतर चलते रहे तो निश्चित रूप से हमारी कौम अपने खोए हुए गौरव को पुनः प्राप्त कर सकेगी। शिविर में जाखड़ी, रतनपुर, करड़ा, खारा, तावीदर, सेवाड़ा, पुर, सिलासन, जोड़वास, भाटवास, तेजावास, डाडोकी आदि गांवों के 88 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जालम सिंह, उत्तम सिंह, माधू सिंह, महेंद्र सिंह (जी), महेंद्र सिंह (डी), देवी सिंह आदि ग्राम वासियों ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। जालौर संभाग के ही सिरोही प्रांत में बिलेश्वर महादेव कैलाशनगर में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 3 से 6 सितंबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए हीर सिंह लोड़ता ने कहा कि निरन्तर व नियमित अभ्यास द्वारा मुश्किल कार्य को भी सरलता व सहजता पूर्वक किया जा सकता है। इसी अभ्यास के लिये संघ के शाखा व शिविर में सदैव आते रहें, संघ आपके स्वागत में तैयार मिलेगा। शिविर में जामोत्तरा, भूतगांव, कैलाशनगर, मांडाणी, उथमण, मोछाल, तलेटा आदि गांवों के 55 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। गंगा सिंह व विशन सिंह कैलाशनगर ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। विदाई के साथ सहयोगियों का स्नेहमिलन व स्नहभोज का कार्यक्रम रखा गया जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से समाजबंधु उपस्थित रहे। जैसलमेर संभाग में रामगढ़ प्रांत के नगा गांव में भी इसी अवधि में चार दिवसीय शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए उम्मेद सिंह बडोड़ागांव में कहा कि शिविर में होने वाली सभी गतिविधियों का एक ही उद्देश्य है कि हमारे भीतर सत्वगुण विकसित हो। हमारा सतोगुण रजोगुण के साथ मिलकर हमारे भीतर क्षत्रियत्व को जगाएगा। शिविर के दौरान एक

सांगवाड़ा

दांतली

दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें सभी शिविरार्थियों ने पनराज जी के धाम पहुंचकर दर्शन किए। विदाई कार्यक्रम में शिविर संचालक ने सभी शिविरार्थियों को कार्य क्षेत्र में जाकर विष तत्व का विनाश व अमृत तत्व की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहने व ऐसे शिविरों में बार बार आने का आह्वान किया। शिविर में पूनम नगर, सोनू, सेरावा, जोगा, राघवा, सेउवा, रायमला, साधना, नगा, डीग्गा व भोजराज की ढाणी के लगभग 120 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण लिया। व्यवस्था नगा ग्रामवासियों द्वारा मिलकर की गई। प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह बेरसियाला सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। जैसलमेर संभाग के ही पोकरण प्रांत में भणियाणा गांव स्थित विद्यालय के परिसर में भी इसी अवधि में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसका संचालन रतन सिंह बडोड़ागांव ने किया। स्वागत उद्बोधन में उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि केसरिया ध्वज हमारी प्रेरणा का स्रोत है। हमें क्षात्र परम्परा पर गर्व करते हुए उससे सीख लेनी चाहिए। तनसिंह जी के सपने को हमें साकार करना है तो पूरी निष्ठा से संघ मार्ग पर चलना होगा। शिविर में दांतल, जसवंतपुरा, बलाड़, फलसूण्ड के 160 युवाओं ने प्रशिक्षण

जाजवा

चौपासनी

प्राप्त किया। देवी सिंह भणियाणा ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। 2 से 5 सितंबर की अवधि में बाड़मेर संभाग के बाड़मेर शहर प्रांत के अंतर्गत चिमन सिंह की ढाणी ,सोनड़ी गांव में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव ने किया। स्वयंसेवकों को विदा देते हुए उन्होंने कहा कि हमने पिछले चार दिन से इस प्रांगण में रहकर जिस अमृत तत्व को ग्रहण किया, कहीं उसको विषैले संसार में जाकर नष्ट मत कर देना। जमाना हमारी एकता, सामाजिकता आदि को मिटाने पर तुला है पर हम हमारी इस साधना शक्ति से सामाजिकता को जीवित रखने में सहभागी बनें। शिविर में सोनड़ी, बिशाला, सुरा, लुणु, मुंगेरिया आदि गांवों तथा राजपूत छात्रावास बाड़मेर शहर आदि स्थानों के 180 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। मांगू सिंह बिशाला व जेत माल सिंह बिशाला ने व्यवस्था में सहयोग किया। इसी अवधि में वागड़ क्षत्रिय (राजपूत) अध्यक्ष ईश्वर सिंह जोगीवाला सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। संभागप्रमुख भंवरसिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बालोतरा संभाग के सिवाना प्रांत के गांव बालियाणा में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में सम्पन्न हुआ। शिविर का संचालन हनवंत सिंह मवड़ी ने किया। उन्होंने विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थियों से कहा कि यहां चार दिन में जो सीखा, वो अपने जीवन में उतारें एवं उससे अन्यों को भी लाभान्वित करें। शिविर में सिवाना, मवड़ी, धीरा, काठाड़ी, कुण्डल, कांखी, रेलों की ढाणी, पंऊ, भाटा, पादरु, धारणा, सिणेर, बालियाणा, इन्द्राणा, भीमगोडा, दाखा, टापरा आदि गांवों से 282 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सभी ग्रामवासियों ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। संभाग प्रमुख मूल सिंह काठाड़ी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा गांव में स्थित इंडो किड्स स्कूल में भी इसी अवधि में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ जिसमें भीलवाड़ा, अजमेर व चित्तौड़ जिलों के 170 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि संघ हमें आदर्श जीवन जीना सिखाता है जिसे जीकर हर व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक कर सकता है। हमारे पूर्वजों ने ऐसे कर्म किए कि संसार उन्हें देवता की तरह पूजता है। जो दूसरों के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करता है वह सदियों तक लोगों के हृदय में जीवित रहता हैं। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

भणियाणा

गुड़ारामसिंह

सोनड़ी

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अरविन्द सिंह

कुलदीप सिंह

कालू सिंह

मुन्ना कंवर

नरेन्द्र सिंह

हमारे प्रिय अरविन्द सिंह भाटी (जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर),
कुलदीप सिंह (मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर),
कालूसिंह भाटी (राजकीय महाविद्यालय, जालोर),
मुन्ना कंवर (राजकीय महाविद्यालय, सिरोही),
नरेन्द्रसिंह (राजकीय बांगड़ महाविद्यालय, पाली)
सहित राजस्थान के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में विजयी हुए
राजपूत छात्र प्रतिनिधियों को
हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

मनोहरसिंह उमरलाई	हीरसिंह लोड़ता	प्रो.जसवन्त सिंह ठाकुरला	सुदर्शनसिंह बर
भेरुसिंह सरपंच गेलावास	भवंरसिंह साटिका	समन्दरसिंह धींगाणा	करणसिंह बनाड़ (हेमावास)
प्रतापसिंह खैरवा	नारायणसिंह साटिका	हनुवन्तसिंह गादेरी	कुन्दन सिंह खैरवा
नरेन्द्रसिंह बधाल	परबतसिंह भुणास	रुपेन्द्रपालसिंह सारंगवास	रमेशसिंह बिरोलिया
महिपाल सिंह बासनी	मनोहरसिंह निम्बली उडा	भवानीसिंह कुलथाना	महोब्बतसिंह धींगाणा

एवं समस्त कार्यकर्ता, श्री क्षत्रिय युवक संघ प्रान्त-पाली

संपादकीय

'अपनत्व की शुद्धता की कसौटी है दायित्व बोध'

हम जिस परिवार में, जिस जाति में, जिस समाज में, जिस राष्ट्र में जन्म लेते हैं उसके प्रति स्वभावतः हमारा रागात्मक संबंध होता है। यह संबंध अत्यंत गहरा, स्थाई और प्रभावकारी होता है और हमारे जीवन की दिशा को, हमारे विविध क्रियाकलापों को व्यापक रूप से प्रभावित करता है। परिवार, जाति, समाज और राष्ट्र जैसी हमारे जीवन की आधारभूत संस्थाएं इसी नैसर्गिक रागात्मक संबंध के आधार पर विकसित, स्थापित और अस्तित्ववान होती है। इस रागात्मक संबंध को ही हम अपनत्व कहते हैं। समाज के प्रति पीड़ा रखने वाले हमारे कुछ बंधुओं द्वारा अक्सर विभिन्न माध्यमों पर चाहे वह सोशल मीडिया हो अथवा किसी सामाजिक कार्यक्रम का मंच हो या आपसी चर्चा का अवसर हो, इस पीड़ा या आक्रोश को व्यक्त किया जाता है कि हमारे समाज में अपनत्व का भाव नहीं है, किंतु वास्तव में हमारे समाज की समस्या समाज के प्रति अपनत्व का अभाव बिल्कुल भी नहीं है बल्कि तुलनात्मक रूप से हमारे समाज में यह अपनत्व का भाव कहीं अधिक प्रबल है क्योंकि ऐतिहासिक रूप से हमारा संबंध केवल साथ में जीने और एक दूसरे की भौतिक आवश्यकताओं को पूरी करने तक सीमित नहीं रहा है बल्कि युगों से साथ जीने, साथ लड़ने और साथ मरने का हमारा अभ्यास रहा है। जीवन जीने के तरीकों के आधार पर तो साथ रहने का अभ्यास सभी जातियां करती आई हैं लेकिन जीवन से पार जाकर मृत्यु में भी साथ निभाने वाला किसी का साथ रहा है तो वह केवल क्षत्रिय कौम का ही रहा है। एक दूसरे के साथ मिलकर लड़ने और मरने का यह गुण हमारे रक्त की तासीर में है और इसीलिए समाज के प्रति, अपनी जाति के प्रति अपनत्व का जैसा प्रबल भाव हम में हैं वैसा अन्यत्र नहीं मिलता। इस भाव की अभिव्यक्ति हम समाज को उद्वेलित करने वाले प्रत्येक घटनाक्रम पर होने वाली प्रतिक्रियाओं के रूप में नित्य देखते हैं और जो धरातल पर समाज के बीच रहकर कार्य करते हैं वे तो समाज के प्रति अपनत्व के इस भाव को बहुत अधिक गहराई से अनुभव करते हैं।

ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यदि हम में अपनत्व का भाव इतना प्रबल है तो हमारा समाज एक क्यों नहीं दिखाई देता? क्यों हमारा समाज अपने सामने उपस्थित चुनौतियों को ध्वस्त करके उस ऊंचाई की ओर नहीं बढ़ पा रहा, जिस ऊंचाई पर हमारे पूर्वज पहुंचे थे? क्या कारण है कि आज समाज में अहंकार, द्वेष और ईर्ष्या का बाहुल्य हमें दिखाई दे रहा है? इन प्रश्नों के उत्तर खोजने का यदि हम प्रयास करें तो पाएंगे कि समाज के प्रति केवल अपनत्व का भाव होना ही पर्याप्त नहीं है क्योंकि वह अपनत्व बिना विवेक के, बिना उद्देश्य और मार्ग की स्पष्टता के, बिना साधनागत परिष्करण के, जिसके प्रति हमारा अपनत्व का भाव है उसी के लिए समस्या भी बन सकता है। उदाहरणार्थ एक व्यक्ति अपने परिवार को अपना मानता है लेकिन यदि वह व्यक्ति अहंकार, क्रोध या अन्य विकारों से ग्रसित है तो वह अपने ही परिवार को पीड़ित करने का कारण भी बन जाता है और ऐसा होते हुए हम प्रायः देखते हैं। यही बात हम समाज में भी देखते हैं कि समाज के प्रति अपनत्व का भाव होते हुए भी कई बंधु इस प्रकार के क्रियाकलाप करते हैं जो समाज के लिए उपयोगी होने की अपेक्षा विपरीत परिणाम पैदा करने वाले बन जाते हैं क्योंकि इन क्रियाकलापों के पीछे जो व्यक्तित्व है वह अहंकार, कुंठा, स्वार्थ या अज्ञान जैसे तत्वों से प्रेरित होता है ना कि आत्मचिंतन, सम्यक मार्गदर्शन और अनुशासित अभ्यास से जन्मे विवेक से। यहां समस्या अपनत्व का अभाव नहीं बल्कि उस जागृत विवेक का अभाव है जो अपनत्व की आधारभूमि पर आदर्शों को स्थापित करने के लिए आवश्यक साधना की प्रेरणा उत्पन्न करता है। समाज में भी वे समस्याएं, जिनका ऊपर वर्णन किया गया है, इसी जागृत विवेक के अभाव में पनपती हैं। इसका अभाव ही हमें समस्या को उसके वास्तविक स्वरूप में देखने में अक्षम बनाता है और समस्या के वास्तविक स्वरूप को यदि हम नहीं देख पाते हैं तो समस्या के यथार्थ समाधान को जानने का तो प्रश्न ही नहीं उठता। जैसे हम अक्सर समाज में अहंकार की समस्या की बात करते हैं लेकिन कदाचित ही उस अहंकार की समस्या को अपने भीतर देख पाते हैं। विचार करें कि समाज के लिए अहंकार को समस्या बताते हुए क्या कभी हमने स्वयं से यह प्रश्न किया है कि हम स्वयं अपने अहंकार को गलाने वाली किसी व्यावहारिक प्रक्रिया से गुजरे हैं अथवा नहीं? समाज में आपसी फूट के प्रति बार-बार पीड़ा व्यक्त करते समय क्या हमारा यह चिंतन नहीं होना चाहिए कि हमने स्वयं कभी किसी समूह का अंग बनकर रहने का अभ्यास किया है अथवा नहीं? हमारे पूर्वजों की महानता को स्मरण कर समाज की वर्तमान पीढ़ी को कोसने से पूर्व क्या हमने उन्हीं पूर्वजों की भांति सामूहिक अनुशासन, कष्ट सहिष्णुता और न्यूनतम आवश्यकताओं में निर्वहन की किसी प्रक्रिया से अपने आपको गुजारकर अपनी परख करने का साहस किया है? यदि हमने ऐसा नहीं किया है तो समाज की स्थिति के प्रति पीड़ा जताने का हमारा उपक्रम वास्तव में हमारे अहंकार को पुष्ट करने का ही एक तरीका है जिसके द्वारा हम समाज की अवनति का दायित्व अन्यों पर डालकर स्वयं को बचाने का प्रयास करते हैं। ऐसे व्यवहार का मूल कारण यही है कि समाज के प्रति हमारा अपनत्व का भाव साधना और सामूहिक प्रशिक्षण द्वारा शुद्ध होकर दायित्व बोध में विकसित होने की अपेक्षा हमारे अहंकार आदि विकारों से दूषित होकर अधिकार भाव में बदल गया है। इस स्थिति को बदलने के लिए ही श्री क्षत्रिय युवक संघ नैसर्गिक रागात्मक संबंधों की प्रभावकारिता का सदुपयोग करते हुए उससे जनित अपनत्व के भाव को परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध में विकसित करने का कार्य अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली के माध्यम से कर रहा है। आवश्यकता है तो केवल यह कि हम स्वयं को इस प्रक्रिया में से गुजारने के लिए प्रस्तुत करें। इसलिए आएं, श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस आह्वान को सुनें और इस प्रक्रिया का अंग बनकर अपने परिवार, अपने समाज और अपने राष्ट्र के प्रति अपनत्व के भाव को प्रगाढ़ करने के साथ-साथ अपने भीतर उस विवेक को भी जागृत करें जो हमें हमारे दायित्व का बोध करा सके क्योंकि दायित्व बोध ही वह कसौटी है जिससे अपनत्व की शुद्धता को मापा जा सकता है अन्यथा इस दायित्व बोध के अभाव में हमारा अपनत्व विकार युक्त आसक्ति से बढ़कर कुछ भी नहीं है जिससे ना तो हमारा विकास संभव है और ना ही समाज का हित।

संघशक्ति में छात्रनेताओं की एक दिवसीय बैठक संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में 4 सितंबर को जयपुर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में छात्रसंघ चुनाव 2022 में भाग लेने वाले स्वजातीय बंधुओं की एकदिवसीय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संघ के सरंक्षक माननीय भगवान सिंह जी रोलसाहबसर एवं श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी का सानिध्य समाज के युवा छात्रनेताओं को प्राप्त हुआ। बैठक का संचालन संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने किया। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्ययोजना के पंचम बिंदु 'समाज के संभावनाशील युवा राजनीतिक नेतृत्व को उभारने तथा उनके बीच परस्पर संपर्क एवं सहयोग बढ़ाने' की अनुपालना में आयोजित इस बैठक में छात्र नेताओं को उनके समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्व को समझाया गया, साथ ही संगठित होकर समाजहित में काम करने की बात कही गई। बैठक में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष अरविंद सिंह भाटी, महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के छात्र संघ अध्यक्ष लोकेन्द्रप्रताप सिंह, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर के छात्र संघ अध्यक्ष कुलदीप सिंह, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रविन्द्र सिंह दुधोड़ा सहित विभिन्न छात्र प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों में छात्र शक्ति सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय हुआ जिससे सभी समाजों के विद्यार्थियों के बीच सौहार्द को विकसित किया जा सके एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहयोगी बिंदुओं पर काम किया जा सके। बैठक में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की केन्द्रीय टीम के सदस्यों सहित प्रदेश भर से आये युवा छात्र नेता उपस्थित रहे।

समाज और राष्ट्र का आप पर ऋण है, उसे चुकाएं: संरक्षक श्री

(संघशक्ति में आयोजित छात्रनेताओं की बैठक में माननीय संरक्षक श्री द्वारा प्रदत आशीर्वचन का संपादित अंश)

यह जो 20-25 साल का कालखंड है, चाहे लड़का हो या लड़की हो, बहुत महत्वपूर्ण है और मैं आपको यही कहूंगा कि आपको इसको महत्व देना चाहिए। उसको महत्व नहीं देंगे तो शेष जीवन आपका, चाहे चुनाव लड़ो चाहे ना लड़ो, लेकिन यदि आपने इस जीवन को संभाल कर न रखा, ब्रह्मचर्य का पालन नहीं किया तो हमारी आने वाली पीढ़ियां कैसी होंगी? आज का जो वातावरण है उसमें ऐसा करना बहुत मुश्किल हो गया है लेकिन कोई गरीब होता है, उसको खाना मिलना भी मुश्किल होता है लेकिन फिर भी वह कोशिश करता है, इसी तरह से आपको भी प्रयत्न करना चाहिए। चुनाव में माता-पिता की अनुमति से ही खड़ा होना चाहिए, फिर जिस पार्टी में आप लोग हैं उसकी अनुमति से खड़ा होना चाहिए। विद्रोह के मैं पक्ष में नहीं हूं क्योंकि लंबा जीवन आपको व्यतीत करना है राजनीति में, तो एक बार विद्रोही होने पर आपके काला धब्बा लग जाएगा। फिर भी कई लोग विद्रोह करके भी जीत के आते हैं। मैं तो यह कह रहा हूं कि क्या करना चाहिए, क्या करते हैं इस पर ज्यादा आप लोग विचार करें। आप की उपयोगिता कहां कहां है? आपके परिवार में आपकी उपयोगिता है, आपने ध्येयनिष्ठ होकर के यदि पढ़ाई की है तो आप मां-बाप के भी काम के हैं, विवाह होगा तब आप अपनी पत्नी के भी काम के हैं, भाई बहनों के भी काम के हैं, इतना विस्तृत रूप से यदि हम नहीं सोचते हैं तो अधूरे चिंतन से आदमी का जीवन भी अधूरा हो जाता है। एक साल का कार्यकाल है आपका। आप कितनी बड़ी रिस्क लेकर के यह काम कर रहे हैं। घरवालों का पैसा बहुत लगता है, लेकिन वह पैसा भी यदि काम नहीं आया तो उनको तकलीफ होती है। इन सब पर आपको विचार करना चाहिए। अभी का यह अध्ययन है, यह पराक्रमी कब बनता है? जब आप विवाह करेंगे तो यह अध्ययन काल में जो अच्छी बातें, जो सत्संग की बातें आपने सुनी हैं.. आपने अध्ययन भी अच्छा किया होगा, अच्छे अच्छे लोगों से भी आप मिले होंगे, अच्छे अच्छे लोगों ने आपको राय भी दी होगी, उनकी राय को नहीं मानेंगे तो आपका गृहस्थ जीवन भी सफल नहीं होगा। इसके बाद में आता है वानप्रस्थ आश्रम। वानप्रस्थ में कहीं जाना नहीं है यद्यपि लगता ऐसा है जैसे किसी जमाने में वन की ओर प्रस्थान करने को वानप्रस्थ आश्रम कहते थे। एक निश्चित समय तक हमको अपने और अपने परिवार के लिए काम करना है, यह निश्चय कर लेना चाहिए और इसके बाद में समाज और राष्ट्र के लिए जीना चाहिए। इस समाज का, इस राष्ट्र का आप लोगों पर बहुत एहसान है, उससे उऋण कब होंगे? इस समय अच्छी चीज आपने प्राप्त की है और जब आपके बच्चे हो जाएंगे, अपना कार्यभार बच्चों को संभाल देंगे, उसके बाद जो समय और ज्ञान संसार को देते हैं, संसार के लिए जीते हैं, वहीं वानप्रस्थ है। संन्यास की मैं बात नहीं करता, संन्यास की आवश्यकता ही नहीं है।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	24.09.2022 से 26.09.2022 तक	**कामली (गुजरात)**। तहसील ऊंझा, जिला-मेहसाणा।
02.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 26.09.2022 तक	**जगनाथपुरा (गुजरात)**। जिला-मेहसाणा।
03.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**सिढां राम चीला नाडा** (जोधपुर)। तहसील-बाप
04.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**सिवाना (बाड़मेर)**। बेरा सुन्दरिया। बालोतरा, जालोर-जोधपुर से सिवाना के लिए बस है।
05.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 26.09.2022 तक	**कोलू (बाड़मेर)**। अमरसिंह की ढाणी के पास, बस स्टैण्ड मोराला कोलू। बायतु, बालोतरा, गिडा व बाड़मेर से बसें।
06.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**चारड़ा (बनासकांठा)**। गुजरात
07.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**बिलिया (पाटन)**। **गुजरात**
08.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	24.09.2022 से 27.09.2022 तक	**पुणे**। महाराष्ट्र
09.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 04.10.2022 तक	**जगदंबा छात्रावास**, टौंक।
10.	मा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 07.10.2022 तक	**गड़रा रोड**, बाड़मेर।
11.	मा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 07.10.2022 तक	**मालवाड़ा**, जालोर।
12.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 04.10.2022 तक	**दामोदरा**, जैसलमेर।
13.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 04.10.2022 तक	**नाहरसिंह की ढाणी**, जैसलमेर।
14.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	01.10.2022 से 03.10.2022 तक	**नारोली**, गुजरात।
15.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	01.10.2022 से 04.10.2022 तक	**पोकरण**, जैसलमेर।
16.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	02.10.2022 से 05.10.2022 तक	**ताड़ना**, जैसलमेर।
17.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	02.10.2022 से 05.10.2022 तक	**धोलेरा**, बीकानेर।
18.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	02.10.2022 से 05.10.2022 तक	**लिसाड़िया**, सीकर।
19.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	02.10.2022 से 05.10.2022 तक	**हिसार**, हरियाणा।
20.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	02.10.2022 से 05.10.2022 तक	**भटवाड़ा खुर्द**, चित्तौड़गढ़।
21.	मा.प्र.शि. (बालिका)	16.10.2022 से 21.10.2022 तक	**सिवाणा**, बाड़मेर।
22.	मा.प्र.शि. (बालक)	16.10.2022 से 22.10.2022 तक	**बापिणी**, जोधपुर।
23.	मा.प्र.शि. (बालक)	16.10.2022 से 22.10.2022 तक	**बालोतरा**, बाड़मेर।
24.	मा.प्र.शि. (बालक)	17.10.2022 से 23.10.2022 तक	**बूचरा फार्म हाऊस**, जयपुर।
25.	प्रा.प्र.शि. (बालिका)	18.10.2022 से 21.10.2022 तक	**सकानी (आसपुर)**, डूंगरपुर।
26.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	19.10.2022 से 22.10.2022 तक	**बड़ली**, अजमेर।
27.	प्रा.प्र.शि. (बालक)	19.10.2022 से 22.10.2022 तक	**कोटडा**, बांसवाड़ा।

शिविर में आने वाले युवक काला नीकर, सफेद कमीज या टीशर्ट, काली जूती या जूता व युवतियां केसरिया सलवार कमीज, कपड़े के काले जूते, मौसम के अनुसार बिस्तर (एक परिवार से दो जने हों तो अलग-अलग), पेन, डायरी, टॉर्च, रस्सी, चाकू, सूई-डोरा, कंघा, लोटा, थाली, कटोरी, चम्मच, गिलास साथ लेकर आवें। संघ साहित्य के अलावा कोई पत्र-पत्रिका, पुस्तकें एवं बहुमूल्य वस्तुएं साथ ना लावें।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

तनुश्री भाटी का सहायक आचार्य परीक्षा में राज्य में दूसरा स्थान

बाड़मेर के दुधोड़ा गांव की तनुश्री भाटी पुत्री भोजराज सिंह भाटी ने सहायक आचार्य (समाजशास्त्र) की परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए राजस्थान में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। बाड़मेर जिले से सीधे सहायक आचार्य पद पर चयनित होने वाली वे पहली राजपूत युवती है।

तनेसिंह काठा राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत

जैसलमेर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशन घाट में इतिहास के व्याख्याता के रूप में सेवाएं दे रहे तने सिंह सोढा को 5 सितंबर को राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। तने सिंह काठा गांव के निवासी हैं तथा इतिहास आदि विषयों पर लेखन में भी रुचि रखते हैं। नाथसिद्ध तथा तपोभूमि मठ ख्याला इनकी प्रकाशित पुस्तकें हैं।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

Mobile : 95497-77775, 87428-13538, 98288-34449
जय श्री
बॉयज हॉस्टल
BEST FOR 8th, 9th, 10th, 11th, 12th, Science Blo, Maths, IIT, NEET, JEE, Foundation, Target
CLC के पास, पिपराली रोड, सीकर
ALLEN के पीछे, शरदलता हॉस्पिटल के पास, पिपराली रोड, सीकर

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

बेटियों के संस्कारित होने से ही परिवार व समाज होगा संस्कारित

(मुंबई में दो स्थानों पर मातृशक्ति स्नेहमिलन संपन्न)

संस्कारों की जननी माता होती है। संतान पर सर्वाधिक प्रभाव उसकी माता का ही पड़ता है इसीलिए माता को निर्माता कहा गया है। आज की बेटी कल की मां है इसलिए उसका संस्कारित होना पूरे परिवार व समाज के भविष्य के लिए अति आवश्यक है। मां, बहन, बेटी, पत्नी, सास आदि विभिन्न भूमिकाओं में एक महिला के क्या दायित्व हैं और किस प्रकार से उनका निर्वहन किया जाना चाहिए, यह सभी शिक्षण बच्चियों को सही समय पर दिया जाना चाहिए किन्तु वर्तमान में इस प्रकार के शिक्षण की अत्यधिक कमी है क्योंकि जिन पर यह शिक्षण देने का दायित्व है वे स्वयं संस्कारित नहीं है। इस कमी को पूरा करने के लिए ही श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज की बालिकाओं को शाखाओं, शिविरों आदि के माध्यम से संस्कारित करने का

कार्य कर रहा है। उपरोक्त बातें वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास ने 31 अगस्त को महाराष्ट्र संभाग के मुंबई प्रांत में भायंदर तथा भूलेश्वर में आयोजित मातृशक्ति स्नेह मिलन कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ और पूज्य तन सिंह जी का परिचय दिया व समाज व परिवार में महिला की आदर्श भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि अपने आचरण को हमें ऐसा बनाना चाहिए कि हम जहां भी रहें वहां सात्विकता, प्रेम और स्नेह का वातावरण रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ स्नेह की खान है। शाखा में नियमित जाकर उस स्नेह को प्राप्त करें और उसे अपने परिवार और समाज में आगे प्रसारित करें। दोनों कार्यक्रमों में सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति रही। प्रथम बालिका संस्कार स्नेह मिलन कार्यक्रम गार्डन सिटी, भायंदर (पूर्व), मुंबई में प्रातः 11 बजे रखा गया तथा द्वितीय कार्यक्रम लाडवाड़ी भूलेश्वर, दक्षिण मुंबई में शाम को 5 बजे आयोजित हुआ।

श्री प्रताप फाउंडेशन व श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की संयुक्त कार्यशाला संपन्न

चित्तौड़गढ़ में 28 अगस्त को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन व श्री प्रताप फाउंडेशन की एक दिवसीय संयुक्त कार्यशाला का आयोजन जौहर भवन में हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन व प्रताप फाउंडेशन के मुख्य उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया तथा उन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु कार्य योजना पर भी प्रकाश डाला और बताया कि भारतीय संस्कृति के मूल्यों को पुनर्प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से पूज्य तन सिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की थी। यह कार्य बहुआयामी है तथा इसे क्रियान्वित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से कार्य करने की आवश्यकता है। श्री प्रताप फाउंडेशन और श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन संघ के ऐसे ही उपक्रम है जिनके माध्यम से समाज को जोड़ने वाले विभिन्न तत्वों को विकसित और मजबूत करने एवं समाज की युवा ऊर्जा के सकारात्मक मार्गदर्शन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने श्री प्रताप फाउंडेशन द्वारा आयोजित हो रहे किसान सम्मेलनों की श्रृंखला में आगामी माह में चित्तौड़गढ़ में आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन के बारे में बताया तथा सर्व समाज को साथ लेकर कार्यक्रम को विशाल एवं भव्य बनाने में जुट जाने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रबुद्ध समाज जनों ने 18 सितंबर को आयोजित होने जा रहे इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने हेतु प्रयास करने पर सहमति जताई। बैठक में संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के हर्षवर्धन सिंह रूद, पूर्व प्रधान शक्ति सिंह मुरलिया, उप जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बडोली, भगवत सिंह चित्तौड़ी खेड़ा, बालू सिंह जगपुरा, महेंद्र सिंह जालेऊ, मनोहर सिंह सोनियाणा, अजय सिंह नगरी, खुमाण सिंह अकोलागढ़, राम सिंह ताणा ने भी चर्चा में भाग लेकर अपनी बात रखी। संचालन जोगेंद्रसिंह छोटाखेड़ा ने किया। इस अवसर पर विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जौहर स्मृति संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्रसिंह विजयपुर, महामंत्री तेजपाल सिंह खोर, संयुक्त मंत्री गजराज सिंह बराड़ा, कोषाध्यक्ष गोवर्धन सिंह भाटियों का खेड़ा, शिक्षाविद मूल सिंह कंथारिया, पूर्व प्रधान प्रवीण सिंह, भोपाल पब्लिक स्कूल एमडी लालसिंह भाटियों का खेड़ा, मोहनसिंह भाटियों का खेड़ा, वीरेंद्रसिंह तलावदा, पूर्व प्रधान गणपत सिंह चुंडावत, रणजीत सिंह उपप्रधान डूंगला, पूर्व प्रधान गोविंद सिंह शक्तावत, पार्षद महेंद्र सिंह मेड़तिया सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही।

सुहासिनी शेखावत ने रचा कीर्तिमान

सुहासिनी शेखावत महरौली ने 'इंडस कॉलिंग' अभियान के दल का नेतृत्व करते हुए सिंधु नदी पर अब तक का सबसे लंबा राफ्टिंग अभियान पूरा कर कीर्तिमान रचा है। भारत-चीन बॉर्डर के पास मानेसर से शुरू हुआ उनका अभियान भारत-पाक बॉर्डर पर करगिल के नजदीक संपन्न हुआ। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के दुर्गम ऊंचे स्थानों पर ऑक्सीजन की कमी और खतरनाक चट्टानों के कारण यहां राफ्टिंग अत्यधिक कठिन मानी जाती है। सुहासिनी जोधपुर सांसद और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की पुत्री है।

राजस्थान राजपूत परिषद (दिल्ली एनसीआर) का वार्षिक स्नेहमिलन संपन्न

11 सितंबर को राजस्थान राजपूत परिषद (दिल्ली एनसीआर) का वार्षिक स्नेहमिलन

दिल्ली में शास्त्रीनगर स्थित गुलाबी बाग सामुदायिक भवन में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान पीर शांति नाथ जी महाराज की पुण्य तिथि भी मनाई गई। सभी राजस्थानी प्रवासियों के लिए प्रसाद व स्नेहभोज भी रखा गया। बाद में रात्रि जागरण एवं भजन कीर्तन का आयोजन हुआ जिसमें दूधेश्वर मठ गजियाबाद महंत श्री नारायण गिरी जी के शिष्य का सानिध्य रहा। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक सोमदत्त, राजस्थान से रानीवाड़ा विधायक नारायण सिंह देवल और सिवाना विधायक हम्मीर सिंह भी सम्मिलित हुए। परिषद के अध्यक्ष गंगा सिंह, दान सिंह काठाड़ी , राजू सिंह रानीवाड़ा, शंकर सिंह राजोला खुर्द सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ किसान सम्मेलन का पोस्टर विमोचन कार्यक्रम आयोजित

चितौड़गढ़ में 18 सितंबर को आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन का पोस्टर विमोचन

1 सितंबर को जौहर स्मृति भवन चित्तोड़गढ़ में किया गया जिसमें गजेंद्र सिंह शेखावत (जल शक्ति मंत्री भारत सरकार), श्रीचंद कृपलानी (पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार), सीपी जोशी (सांसद चित्तौड़गढ़), चंद्रभान सिंह आक्या (विधायक चित्तौड़गढ़), सुरेश धाकड़ (जिला प्रमुख चित्तौड़गढ़), ललित ओसवाल विधायक (बड़ी सादड़ी) सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मीणा समाज, कुमावत समाज, कीर समाज सहित जिले के सभी समाजों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मानान पाना (भिवानी) में स्नेहमिलन संपन्न

हरियाणा में भिवानी के मानान पाना में श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्नेहमिलन कार्यक्रम 4 सितंबर को संपन्न हुआ। अरविन्द सिंह बालवा ने संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के बारे में बताया तथा क्षेत्र में हो रहे संघकार्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कर्मबीर सिंह तिगड़ाना ने किया। अभिषेक सिंह रामपुरा बलियाना ने पूज्य तनसिंह जी व संघ की स्थापना के बारे में बताया।

श्री राजपूत सेवा संस्थान की बैठक व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

श्री राजपूत सेवा संस्थान की नीमझर प्रांत की बैठक 11 सितंबर को आंजनेश्वर महादेव मंदिर परिसर स्थित राजपूत सभा भवन में आयोजित हुई। रणवीर सिंह लसानी ने बैठक की अध्यक्षता की। भगवत सिंह सांवला जी का खेड़ा ने बताया कि बैठक में कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों को पकड़वाने वाले शक्ति सिंह व प्रहलाद सिंह का सम्मान किया गया, साथ ही बोर्ड परीक्षा में 70% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले राजपूत छात्रों को स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा क्षेत्र में 23 से 26 सितंबर तक आयोजित होने वाले संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की जानकारी प्रदान की।

'हमारी विरासत-हमारा गौरव' अभियान

शेरगढ़ क्षेत्र में प्रतिहार कालीन मंदिरों, देवालयों, स्तंभों एवं पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं के संरक्षण एवं पुनरुद्धार तथा मंडोर व घटियाला पुरातात्विक स्थलों की खुदाई व संरक्षण के संबंध में अभियान चलाया गया जा रहा है। जिसके तहत 5 सितंबर 2022 को बस्तवा माताजी में विशाल हस्ताक्षर अभियान का आगाज राणा प्रताप सिंह इंदा के संयोजन में किया गया। अभियान के दौरान एक हजार से भी अधिक वर्षों से पूजित सम्राट नाहड़ राव प्रतिहार के नाम से मंडोर उद्यान के नामकरण की मांग प्रमुखता से रखी गई। लगभग 10 बैनर पर 20,000 से अधिक स्त्री पुरुषों ने हस्ताक्षर करके अभियान में सहभागिता निभाई। बालेसर पंचायत समिति के बस्तवा माताजी ग्राम में मातेश्वरी गोतावर राय का मेला हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष की नवमी को लगता है और इस मेले के दौरान ही इस विशाल हस्ताक्षर अभियान का आयोजन हुआ।

गणेश मंदिर (झोटवाड़ा) में भजन संध्या का आयोजन

जयपुर के झोटवाड़ा में संघशक्ति के निकट स्थित गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन हुआ। इस अवसर पर माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह जी बैण्याकाबास को गणेश मंदिर समिति द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। समिति के अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर, कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, देवेन्द्र सिंह बुटाटी सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राजपूत सोशल वॉरियर्स संस्थान का वार्षिक अधिवेशन व प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

7 सितंबर को राजपूत सोशल वॉरियर्स संस्थान का वार्षिक अधिवेशन व प्रतिभा सम्मान समारोह बूंदी में नैनवा रोड स्थित मैरिज गार्डन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने राजपूत युवाओं से राजस्थानी संस्कृति और

संस्कारों को संरक्षित करने तथा आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही। इस दौरान सांगोद प्रधान जयवीर सिंह, बूंदी जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर, महिपाल सिंह हाड़ा, शिवराज सिंह राठौड़, शंभू सिंह कोटडा, सज्जन सिंह राठौड़, विजय राज सिंह मालकपुरा, बलराज सिंह खींची सहित अनेको गणमान्य सज्जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सत्र 2021-22 में 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के युवक-युवतियों को सम्मानित किया गया। समाज के जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन भी वितरित की गई। जगदीश सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया।

(पृष्ठ दो का शेष)

संस्कारों का सिंचन... संघ हमें भी ऐसा ही जीवन जीने की राह दिखा रहा है। शिविर के विदाई कार्यक्रम में गांव के समाज बंधु भी उपस्थित रहे। हुरडा व मसूदा प्रधान ने बालकों को ऐसे संस्कार शिविरों में आकर अपने जीवन को परिवार, समाज व राष्ट्र के लिए उपयोगी बनाने की बात कही। समाज बंधुओं ने क्षेत्र में ऐसे और शिविरों के आयोजन का आग्रह किया। माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर की ओर से प्रेषित यथार्थ गीता का वितरण भी समाज बंधुओं को किया गया। सभी ग्रामवासियों ने मिलकर शिविर की व्यवस्था में सहयोग किया। जोधपुर संभाग में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर मड़ला कल्ला गांव में 3 से 6 सितम्बर तक बाबा रामदेव शिक्षण संस्थान में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन उम्मेदसिंह सेतरावा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि जो समय को नष्ट करता है समय उसको नष्ट कर देता है इसलिए समय का सदुपयोग करते हुए समय के साथ चलना जरूरी है। समय की मांग को पहचानने और उसके अनुसार अपने लक्ष्य के लिए हर कीमत चुकाने वाला वाला पुरुषार्थी संसार में सब कुछ प्राप्त कर सकता है। ऐसे पुरुषार्थियों का ही संसार में नाम रहता है, जैसे महाराणा प्रताप, दुर्गादास राठौड़, पूज्य तनसिंह जी आदि। समय के साथ साधन बदल सकते हैं लेकिन लक्ष्य नहीं बदलता, इसलिए अपने लक्ष्य को पहचान कर उसकी ओर बढ़ना प्रारंभ करें। शिविर में बामणू, चांदसमा, मड़ला, देचू, ऊंटवालिया, आसरलाई, सेतरावा, सेखाला, बुड़किया, जेठानिया, कोलू आदि गांवों से लगभग 175 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण लिया। शिविर के दौरान केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शिविर स्थल पहुंचे तथा शिविरार्थियों से संवाद किया। ओम सिंह मंडला ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। संभाग के फलोदी ओसिया प्रांत में बापिणी क्षेत्र के भादा गांव में भी इसी अवधि में शिविर संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए हरि सिंह ढेलाना ने शिविरार्थियों को हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में बताया और मेहोजी मांगलिया का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके त्यागपूर्ण और लोकहितकारी जीवन से हमें भी प्रेरणा प्राप्त करके उच्च आदर्शों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। शिविर में भादा, बापिणी, बेदू, निंबो का तालाब, इसरु, कडवा, मेपा, देणोक आदि गांवों के 160 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग का बालिका वर्ग का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चौपासनी मैरिज गार्डन झंवर रोड, जोधपुर में इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन रतन कंवर सेतरावा ने किया। उन्होंने शिविरार्थी बालिकाओं के भाल पर तिलक लगाकर उन्हें विदाई देते हुए कहा कि आज के समय में महिलाओ की शिक्षा के साथ ही उन्हें संस्कारवान व सुदृढ़ बनाने की भी आवश्यकता है, ये काम श्री क्षत्रिय युवक संघ इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से कर रहा है। हमने जो यहां चार दिन तक सीखा है, उसे अपने तक ही सीमित नही रखना है, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक संघ की बात हमें पहुंचानी है। शिविर में बापिणी, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, महावीर नगर, जय भवानी नगर, शिक्षक कॉलोनी, बीजेएस कॉलोनी के साथ बाड़मेर व बालोतरा से 350 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीकानेर के जयपुर रोड स्थित एकेडमी परिसर में भी बालिकाओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 3 से 6 सितंबर तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए उषा कंवर पाटोदा ने बालिकाओं से कहा कि नारी शक्ति ही भारतीय संस्कृति के संस्कारों की आधार एवं संवाहक है। पूज्य श्री तन सिंह जी द्वारा स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ क्षत्रिय समाज में संस्कार निर्माण द्वारा राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहा है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के ये शिविर विलुप्त होती भारतीय संस्कृति के क्षरण को रोकने का प्रयास है और यह प्रयास पाश्चात्य संस्कृति के आक्रमण का भी प्रत्युत्तर है कि हम हमारी जड़ों से जुड़े हुए हैं, और जुड़े रहेंगे। इस शिविर में श्रीडूंगरगढ़, नोखा, कोलायत, छतरगढ़, बीकानेर शहर, सीकर, चूरू से 170 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बीकानेर संभाग के बीकानेर शहर प्रांत में ही श्री करणी क्षत्रिय सेवा संस्थान, लूणकरणसर में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर संचालक भागीरथ सिंह सेरूणा ने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का मार्ग गीता पर आधारित साधना का मार्ग है जिस पर चलकर हम हमारे पूर्वजों के बताए मार्ग का अनुसरण करके अपना जीवन सार्थक कर सकते हैं। यहां हमने चार दिन तक संघ दर्शन को समझने व उसे आचरण में ढालकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास किया। यह अभ्यास चलता रहेगा तो निश्चित रूप से हमारे जीवन में परिवर्तन आएगा। व्यक्ति के निर्माण से ही समाज का निर्माण होता है और समाज के निर्माण से ही राष्ट्र का निर्माण होता है, इसलिए संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंहजी ने व्यक्ति निर्माण का यह कार्य प्रारंभ किया। शिविर में लूणकरणसर, सोढवाली, मनफरराजसर, अंगनेऊ आदि गांवों के 75 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भंवर सिंह, हनुमान सिंह, राजूसिंह, कायम सिंह, ओम सिंह साडासर, पूर्व सरपंच उम्मेदसिंह शेखावत व कस्बे के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। श्री साधना संगम संस्थान कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर नागौर संभाग के लाडनूं प्रांत के बीदासर मंडल के नोलाई ताल ऊंटालड़ में 3 से 6 सितंबर तक संपन्न हुआ। शिविर का संचालन नागौर संभागप्रमुख शिंभू सिंह आसरवा ने किया। शिविर में 125 शिविरार्थियों ने भाग लिया जिन्हें क्षत्रिय के कर्तव्य और दायित्वों के बारे में बताया गया। शिविर संचालक ने विदाई संदेश में कहा कि इन चार दिनों के अभ्यास को अपने जीवन में उतारने का माध्यम शाखा है इसलिए हमें नियमित रूप से संघ की शाखा में जाना चाहिए। क्षत्रिय का जीवन अपने लिए नहीं, प्राणी मात्र की रक्षा के लिए है। हमें ईश्वरीय भाव रखते हुए जाति, पंथ आदि का भेद रखे बिना सभी की रक्षा का दायित्व निभाना चाहिए तभी हम क्षत्रिय कहलाने के सच्चे अधिकारी बनेंगे। व्यवस्था का जिम्मा रणवीर सिंह, मनोहर सिंह, भगवान सिंह ने ग्रामवासियों के साथ मिलकर संभाला। शिविर में ऊंटालड, आसरासर, गुन्दुसर, गेडाप, परावा, कातर छोटी, कातर बड़ी, ईंयारा, तेहनदेसर, सोनियासर, दूंकर, बैनाथा, पेलाश, बीदासर, आलसर आदि गांवों के शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसी प्रकार एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर बायतु प्रांत के जाजवा गांव में भी इसी अवधि में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन करते हुए सुमेर सिंह कालेवा ने शिविरार्थियों से कहा कि निरन्तर एवं नियमित अभ्यास ही संस्कार निर्माण का आधार है और यही श्री क्षत्रिय युवक संघ की सामुहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली का मूल है। शिविर में युवाओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण का अभ्यास करवाया गया और बताया गया कि वे किस प्रकार लोक कल्याण में सहायक बन सकते हैं। इस शिविर में जाजवा, चिड़िया, सणपा, नोसर, चान्देसरा, बायतु, पंनजी, सवाऊ, परेऊ, सिमरखिया, सणतरा, उतरणी, कानोड़, गिड़ा सहित आसपास के गांवों के अलावा पाटोदी व बालोतरा क्षेत्र से 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। जाजवा गांव के समाजबंधुओं ने मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला।

(पृष्ठ चार का शेष)

समाज व राष्ट्र... संन्यास का मतलब होता है आसक्ति ना होना। तो घर में रहते हुए भी घर के प्रति कोई आसक्ति नहीं हो, घर में रहते हुए भी पत्नी और बच्चों के प्रति भी कोई आसक्ति ना हो और यहां तक कि आगे जाकर के समाज और राष्ट्र के प्रति भी आसक्ति नहीं हो। एक ऐसी जगह आती है जो इन सब से परे है, वह है ईश्वर की ओर बढ़ना। ईश्वर के मार्ग पर ये सारे बंधन है लेकिन इनको तोड़ा नहीं जा सकता। आप आसक्ति त्याग दें कि मुझे भगवान ले जाए वहां जाना है। अब यह फैसला कौन करेगा? वो आपका सत्संग, आपका सद्चिंतन करेगा। सत्संग का मतलब वह नहीं जो मंजीरा आदि बजाते हैं। सत्य का संग करना ही सत्संग हैं। सत्य एक परमात्मा है। जीवन का लक्ष्य ना अध्यक्ष बनना है, ना पैसा कमाना है, ना राजनेता बनना है, जीवन का लक्ष्य है - मुक्ति, इन सब से मुक्ति। उस सबकी तैयारी रखनी चाहिए। जो कुछ आप कर रहे हैं वह करते रहें, उसको नहीं छोड़ना है। न घर को छोड़ना है, ना परिवार को छोड़ना है केवल आसक्ति छोड़ दें तो भगवान बहुत खुश होगा। भगवान खुश नहीं होगा तो संसार में हम जिएंगे कैसे? जिसने यह संसार बनाया है, जो इसका पालन कर रहा है, जो इसकी रक्षा करता है, उस भगवान का कृतज्ञ होना, अपने माता-पिता का कृतज्ञ होना। इंसानियत का सबसे बड़ा तकाजा है - कृतज्ञता, एहसान मानना। इन सब का एहसान नहीं मानते तो जीवन व्यर्थ है। आप लोगों ने बड़ी मेहनत की और कुछ लोग अभी आप से प्रेरणा लेकर मेहनत करेंगे। लेकिन इन बातों को ध्यान में रखकर के आगे बढ़ेंगे तो आप भी सुखी होंगे, आपके जीवन में संतोष आएगा और जिसके पास सुख और संतोष आता है, समृद्धि अपने आप चली जाती है। नहीं तो क्या होगा? नेता बनने के बाद भी रोते हुए लोगों को मैंने देखा है, मंत्री बनने के बाद भी लोगों को रोते हुए मैंने देखा है। जो ईश्वर का ध्यान नहीं रखते, जो अपने जीवन के लक्ष्य का ध्यान नहीं रखते वह सब रोते हैं। तो आप रोएं नहीं, आपके चेहरे पर मुस्कुराहट हो और आप लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने का प्रयत्न करें। **जय संघ शक्ति।**

डॉ दिलीप सिंह राठौड़ चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित

डॉ दिलीप सिंह राठौड़ को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में अजमेर जिला परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिला प्रमुख सुशीला कंवर पलाड़ा द्वारा सम्मानित किया गया। टोंक जिले की टोडारायसिंह तहसील के दाबड़दुंबा गांव के मूल निवासी दिलीप सिंह वर्तमान में खाद्य सुरक्षा व मानक प्रयोगशाला अजमेर में टेक्निकल मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा राजस्थान लैब टेक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष भी है। डॉ दिलीप सिंह अजमेर में संघ के सहयोगी है।

(पृष्ठ एक का शेष)

उपलब्ध पूंजी...

निरंतर सक्रियता का कोई विकल्प नहीं है, अपनी पंक्ति को लगातार खींचते रहें, इसी की चिंता करें। श्री क्षत्रिय युवक संघ की 75 वर्षों की लंबी यात्रा इस बात को पुष्ट करती है। इतना विश्वास बना रहे कि हम भगवान का काम कर रहे हैं और वे निश्चित रूप से हमारी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि काम करने वाले का विरोध स्वाभाविक है इसलिए हमारा भी होता है और होता रहेगा लेकिन जो लगातार चलता रहता है उसके विरोधी पस्त हो जाते हैं। इसलिए विरोध की चिंता किए बिना लगातार चलते रहना ही एक मात्र उपाय है। इससे पहले बैठक में सत्र के प्रारंभ में हुई बैठक के प्रतिवेदन को पढ़कर सुनाया गया एवं एक एक बिंदु की समीक्षा की गई। इस सत्र के शेष रहे समय में केन्द्रीय स्तर पर राजपूत अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन, राजनीतिक कार्यकताओं का राज्य स्तरीय सम्मेलन व राजपूत व्यवसायियों के लिए एक राज्य स्तरीय बिजनेस मीट करवाने का निर्णय लिया गया। तीनों कार्यक्रमों के लिए समितियां बनाई गई और उनकी अलग से बैठक कर उनकी योजना बनाई गई। श्री प्रताप फाउंडेशन के काम में सहयोग करने को लेकर भी चर्चा हुई। केन्द्रीय कार्यालय स्तर व जिला स्तर पर श्री प्रताप फाउंडेशन के काम से संबंधित सूचनाओं के संकलन को लेकर विचार विमर्श किया गया एवं उसका दायित्व सौंपा गया। विद्यार्थियों की रोजगार परक तैयारी के लिए किए जाने वाले प्रयासों की समीक्षा की गई एवं आगे की योजना बनाई गई। किसान सम्मेलनों व छात्र शक्ति सम्मेलनों को लेकर भी चर्चा की गई। प्रातः दस बजे से अपराह्न तीन बजे तक माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह जी के निर्देशन में चली बैठक में केन्द्रीय परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

माननीय संघ...

कार्यक्रम में बजरंग द्वार शाखा के अतिरिक्त आसपास की अन्य शाखाओं के स्वयंसेवक तथा क्षेत्र में रहने वाले समाजबंधु भी सम्मिलित हुए। केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम का संचालन किया। बसंत सिंह बरसिंहपुरा ने शाखा के प्रारंभ व एक वर्ष की अवधि में हुई प्रगति के बारे में बताया। संभाग प्रमुख राजेन्द्र सिंह बोबासर सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा सभी से नियमित शाखा में आने का अनुरोध किया। शाखा प्रमुख विक्रम सिंह गुगड़वार तथा दीपेंद्र सिंह रोजदा ने व्यवस्था में सहयोग किया।

जाखण आश्रम के राजऋषि मुनि का देहावसान

कुलगुरु राजऋषि मुनि

लकुलिश परंपरा के **कुलगुरु राजऋषि मुनि** का देहावसान 31 अगस्त 2022 को हो गया। वे गुजरात के राजकोट जिले के शापर गांव के क्षत्रिय परिवार में जन्मे थे। सुरेंद्रनगर में लिमडी के पास जाखण गांव के निकट उनका आश्रम स्थित है। लकुलीश योग केन्द्र में संघ के स्वयंसेवकों के लिए एक योग प्रशिक्षण शिविर भी रखा गया था।

जोरावर सिंह भादला को भ्रातृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावर सिंह भादला के बड़े भ्राता **श्री बाघसिंह** का देहावसान 30 अगस्त 2022 को 90 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है तथा परमेश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे पंचवटी छात्रावास के साथी

अरविन्द सिंह अवाय

को जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर का

छात्रसंघ अध्यक्ष

बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

हनुमान सिंह देणोक	महेंद्र सिंह मोहनगढ़	कुलदीप सिंह सुंदरा	सुमेर सिंह रामगढ़	मनोहर सिंह रामगढ़
विक्रम सिंह रामदेवरा	भुपेन्द्र सिह बारू	भोपालसिंह ताड़ाना	नरेंद्र सिंह चारणवाला	महावीर सिंह अवाय
अवतार सिंह लाठी	आईपाल सिंह जैरात	मदन सिंह गोपालसर	जितेंद्र सिंह तेना	गिरवर सिंह भालू
भरत सिंह अर्जुना	अभिमन्यु सिंह देणोक	रविराज सिंह अवाय	महावीर सिंह मोढा	गोविन्दसिंह अवाय

एवं समस्त पंचवटी छात्रावास परिवार जोधपुर

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org